वश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष (International Year of Cooperatives) के बैनर अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम

रिपोर्ट : महिला स्वयं सहायता समूह (WSHGs)/ संयुक्त देयता समूह (JLGs)/ अन्य उपयोगकर्ता समूहों हेतु कार्यक्रम

सहकारिता के माध्यम से सूक्ष्म ऋण संवर्धन के प्रयास

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष –2025

स्थान: पूर्णा नगर, नारायणपुर, जामताड़ा
ति थ: 27 अगस्त 2025
आयोजक: नाबार्ड
प्रतिभागी: 50 से अ धक महिला स्वयं सहायता समूह (SHGs) की महिलाएँ (LEDP - सतत कृ ष प्र शक्षण प्राप्त)

1. पृष्ठभू म

संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2025 को *अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष* घो षत कया गया है, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर सहकारिता संस्थाओं को मजबूत करना और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से वत्तीय समावेशन सुनिश्चित करना है।

इसी क्रम में, नाबार्ड द्वारा पूर्णा नगर, नारायणपुर, जामताड़ा में एक वशेष कार्यक्रम का आयोजन कया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिला स्वयं सहायता समूहों, संयुक्त देयता समूहों तथा अन्य उपयोगकर्ता समूहों को सहकारिता आधारित ऋण प्रणाली से जोड़ना तथा सूक्ष्म वत्त तक उनकी पहुँच बढ़ाना था।

इस अवसर पर, सतत कृ ष एवं प्राकृतिक खेती पर नाबार्ड के LEDP प्र शक्षण प्राप्त महिलाओं को भी शा मल कया गया ता क क्षमता निर्माण को वत्तीय सहयोग से जोड़ा जा सके।

2. उद्देश्य

- SHG/JLG व अन्य समूहों को सहकारिता के माध्यम से सूक्ष्म ऋण प्राप्ति के लाभ समझाना।
- वत्तीय साक्षरता एवं ऋण प्र क्रयाओं की जानकारी प्रदान करना।

- LEDP प्र शक्षण प्राप्त महिलाओं के अनुभव साझा कराना तथा उन्हें उद्यम वस्तार हेतु ऋण सहयोग से जोड़ना।
- SHGs और सहकारी संस्थाओं के बीच सशक्त वत्तीय एवं वपणन संबंध स्था पत करना।

3. कार्यक्रम की मुख्य बातें

- प्रतिभाग: 50 से अ धक महिला SHG सदस्य स क्रय रूप से कार्यक्रम में सम्मि लत हुईं।
- सत्र आयोजित:
    - *सहकारिता की भू मका एवं सूक्ष्म ऋण संवर्धन* - वशेषज्ञों ने बताया क सहकारी संस्थाओं के माध्यम से ऋण प्राप्त करना सरल, सामूहिक एवं सुर क्षत होता है।
    - *वत्तीय साक्षरता एवं SHG-बैंक लंकेज* - ऋण प्र क्रया, चुकौती अनुशासन और सामूहिक उधारी के फायदे पर चर्चा हुई।
    - *LEDP अनुभव साझा करना* - महिलाओं ने बकरी पालन, बत्तख पालन, वर्मी कम्पोस्ट एवं प्राकृतिक खेती के सफल अनुभव साझा कए।
- वशेषज्ञ संवाद: नाबार्ड अ धकारियों एवं सहकारी संस्थाओं के प्रतिनि धयों ने समूहों को प्रोत्साहित कया क वे सहकारिता के माध्यम से अपने उद्यमों का वस्तार करें।
- योजनाओं की जानकारी: राज्य एवं केंद्र सरकार की महिला उद्य मता तथा सहकारिता वकास से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी गई।

4. प्रमुख परिणाम

- SHGs ने सहकारी स मति गठित करने में रु च दिखाई ता क सामूहिक ऋण और वपणन में लाभ मल सके।
- LEDP से प्र श क्षत महिलाओं ने बकरी पालन, बत्तख पालन एवं वर्मी कम्पोस्ट इकाइयों के वस्तार हेतु ऋण की आवश्यकता व्यक्त की।
- प्रतिभा गयों में ऋण चुकौती अनुशासन और सहकारिता की सततता के प्रति जागरूकता बढ़ी।
- SHGs, सहकारी बैंकों और वत्तीय संस्थानों के बीच समन्वय एवं नेटव र्कंग मजबूत हुई

5. आगे की कार्ययोजना

- नारायणपुर ब्लॉक स्तर पर महिला SHG सहकारी स मति का गठन।
- नाबार्ड द्वारा इच्छुक समूहों के लए क्रे डट लंकेज एवं हैंडहोल्डिंग सपोर्ट।
- LEDP व अन्य प्र शक्षण कार्यक्रम निरंतर संचा लत कर महिलाओं की क्षमता वृद् ध।
- जामताड़ा जिले में आदर्श SHG सहकारी स मति वक सत करना ता क अन्य क्षेत्रों में इसे अपनाया जा सके

6. निष्कर्ष

पूर्णा नगर, नारायणपुर, जामताड़ा में आयोजित यह कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष – 2025 के अवसर पर महिलाओं के सशक्तिकरण और सामूहिक वत्तीय प्रबंधन की दिशा में एक सफल पहल सद्ध हुआ।

LEDP के तहत प्र श क्षत 50 से अ धक महिलाओं ने अपने अनुभव साझा कर यह स्पष्ट कया क यदि उन्हें सहकारी संस्थाओं से ऋण सहयोग प्राप्त हो, तो वे अपने उद्यमों का वस्तार कर न केवल आ र्थक रूप से आत्मनिर्भर बन सकती हैं बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सशक्त कर सकती हैं।